Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 02-08-2006

Participants : Rawale Shri Mohan

>

Title : Need to ban the export of Iron Ore.

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : उपाध्यक्ष जी, हिन्दुस्तान में आयरन ओर का उत्पादन 2005-2006 में 165 मिलियन टन था। उसमें से इण्डियन स्टील इण्डस्ट्री का कंजम्पशन 75 मिलियन टन था और 90 मिलियन टन अब एक्सपोर्ट हो रहा है। इसी तरह से अगर एक्सपोर्ट होता रहेगा, तो हमारे पास 25 साल के बाद आयरन ओर की प्राकृतिक सम्पदा खत्म हो जायेगी और हमें बाहर से इम्पोर्ट करना पड़ेगा। मार्केट में हमें ही कुछ नहीं मिलेगा। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इसमें खान मंत्रालय ने जो रिपोर्ट दी है, आयरन ओर निकालने की जो कीमत दी गई है, उन्होंने वह 300 रुपये आंकी है। बाकी आयरन ओर जो 1600 रुपये टन एक्सपोर्ट हो रहा है और सरकार को उसमें से एक नया पैसा भी नहीं मिल रहा है - ऐसा क्यों है? मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि आयरन ओर के एक्सपोर्ट पर बैन लगाया जाये। मेरे पास अखबार की कटिंग्स हैं, जो पंजाब केसरी की हैं। उसमें लिखा है कि सोनिया का हाथ, गरीबों के साथ की कमलनाथ ने उड़ाई धज्जी, कमलनाथ ने तोड़ी भारतीय इस्पात उद्योग की रीढ़ और कमलनाथ ने निकाला भारतीय स्पंज आयरन उद्योग का दिवाला।

मैं आपका ज्यादा समय नहीं लेना चाहता, क्योंकि आपने मुझे सीमित समय दिया है. लेकिन मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इतने राजस्व में से हमें जरा सा भी फायदा नहीं है। चाइना का स्टील का उत्पादन हमसे 10 परसेंट ज्यादा है तो भी चाइना आयरन ओर इम्पोर्ट करता है। जैसा पहले ईस्ट इंडिया कम्पनी करती थी, आज वैसा ही हो रहा है। हमारी प्रार्थना है कि इसे जल्दी से जल्दी बैन किया जाये और हमारी प्राकृतिक सम्पदा बचाई जाये।